दुगरी के राम लाल भसीन स्कूल के जनरेटर रूम में लगी भीषण आग, अफरातफरी मची

स्कूल प्रबंधन ने तुरंत बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाल की छुट्टी, हादसे के पीछे शॉर्ट सर्किट की आशंका, दमकल विभाग ने पाया काबू

फोटो: हरजीत सिंह काका

- हल्का विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू ने लिया जायजा, बोले- सभी सुरक्षित

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज

महानगर के पॉश इलाके दुगरी स्थित राम लाल भसीन पब्लिक स्कूल में बुधवार सुबह जनरेटर रूम में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। हादसा उस समय हुआ जब स्कूल में नियमित रूप से कक्षाएं चल रही थीं।

स्कूल प्रबंधन ने तत्परता दिखाते हुए सभी विद्यार्थियों को सुरक्षित बाहर निकालकर स्कूल की छुट्टी कर दी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और समय रहते आग पर काबू पा लिया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी भी छात्र, शिक्षक या कर्मचारी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा।

जानकारी के अनुसार सुबह करीब नौ बजे दुगरी फेज-1 अर्बन एस्टेट स्थित स्कूल के जनरेटर रूम से अचानक धुआं उठने लगा। देखते ही देखते आग की लपटें निकलने लगीं, जिससे पूरे परिसर में हड़कंप मच गया। स्कूल प्रबंधन ने बिना देर किए आपात सुरक्षा व्यवस्था लागू की और शिक्षकों की मदद से सभी बच्चों को कक्षाओं से सुरक्षित बाहर निकाल लिया। छोटे बच्चों को अभिभावकों के साथ घर भेजा गया, जबकि अन्य विद्यार्थियों के अभिभावकों को संदेश भेजकर उन्हें सुरक्षित रवाना किया गया।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण जनरेटर रूम के बिजली पैनल में शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सायरन बजाती हुई मौके पर पहुंचीं।

दमकल कर्मियों ने तत्काल आग बुझाने का अभियान शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद आग को मुख्य भवन और कक्षाओं तक फैलने से रोक दिया। यदि आग समय रहते नियंत्रित नहीं होती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

घटना के बाद पुलिस और फायर सेफ्टी विभाग की टीमें भी मौके पर पहुंचीं और पूरे परिसर का निरीक्षण किया। आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच की जा रही है। स्कूल प्रबंधन ने बताया कि सभी विद्यार्थी और स्टाफ पूरी तरह सुरक्षित हैं तथा किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। घटना की जानकारी मिलते ही आत्म नगर के विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू भी स्कूल पहुंचे। उन्होंने घटनास्थल का जायजा लिया और स्कूल प्रबंधन से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि बच्चों की सुरक्षा सबसे पहले है। आग लगने के कारणों की जांच कराई जाएगी और भविष्य में ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

दमकल विभाग के अधिकारियों ने बताया कि समय पर सूचना मिलने और स्कूल प्रबंधन की सतर्कता के कारण बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच जारी है।

वाह रे ठेकेदार साहिब ! ठेका पूरी सब्जी मंडी का, सफाई अधूरी...

40 लाख के सफाई ठेके पर सवाल, मंडी में जगह-जगह कूड़े के ढेर

- आढ़तियों ने ठेकेदार और सुपरवाइजरों पर लापरवाही के लगाए आरोप, चेयरमैन बोले- होगी कार्रवाई

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज

बहादुर के रोड स्थित नई सब्जी मंडी में करीब 40 लाख रुपए की लागत से सफाई का ठेका होने के बावजूद मंडी में गंदगी और कूड़े के ढेर आढ़तियों के लिए बड़ी परेशानी बन गए हैं।

आढ़तियों का आरोप है कि ठेका भागवंती देवी एंड संस के पास होने के बावजूद सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमराई हुई है। मंडी के कई हिस्सों में कई-कई दिनों तक कूड़ा नहीं उठाया जाता, जिससे बदबू फैल रही है और कारोबार प्रभावित हो रहा है।

आढ़तियों का कहना है कि ठेकेदार की मनमानी के चलते सफाई केवल मुख्य मार्गों तक सीमित रह गई है। मंडी के अंदरूनी हिस्सों, विशेषकर आलू-प्याज शेड के पीछे, कई दिनों तक कूड़ा जमा रहता है। उनका आरोप है कि मार्केट कमेटी के सुपरवाइजरों को लगातार व्हाट्सएप पर कूड़े के ढेरों की तस्वीरें भेजकर सफाई की मांग की जाती है, लेकिन इसके बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं होता। आढ़तियों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार द्वारा लगाए गए सफाई कर्मचारी केवल गेट नंबर-1 या गेट नंबर-2 के आसपास सफाई कर औपचारिकता पूरी कर देते हैं। इसके बाद कथित मिलीभगत से सफाई की रिपोर्ट तैयार कर भुगतान ले लिया जाता है, जबकि जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। उनका कहना है कि कई स्थानों से कूड़ा उठाने के बजाय मंडी के अंदर ही अलग-अलग जगह डंप बना दिए गए हैं। इतना ही नहीं, खाली प्लॉटों में भी कूड़ा डलवाया जा रहा है।

पपीता मंडी के सरपरस्त अमित अवल ने बताया कि कूड़े की नियमित लिफ्टिंग नहीं होने से कई दिनों तक बदबू बनी रहती है। बारिश के मौसम में स्थिति और भी खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि पपीता मंडी के प्रवेश द्वार पर भी कूड़े के ढेर लगे रहते हैं, जिससे व्यापारियों और ग्राहकों दोनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, कुछ खास आढ़तियों को फायदा पहुंचाने के लिए उनके फड़ों के सामने से नियमित रूप से कूड़ा साफ कराया जाता है, जबकि बाकी व्यापारियों को गंदगी के बीच काम करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। फड़ी संचालक ओम प्रकाश, विजय यादव और तनवीर कुमार ने बताया कि पहले नियमित सफाई होती थी, लेकिन अब कई-कई दिन तक न तो झाड़ू लगाई जाती है और न ही कूड़े का उठान होता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंडी के अंदर ही कूड़े के ढेर बनाए जा रहे हैं, जिससे पूरे परिसर में बदबू और गंदगी फैल रही है।

सूत्रों का यह भी दावा है कि ठेकेदार ने कम रेट पर सफाई का काम किसी अन्य व्यक्ति को सबलेट कर दिया है, जिसका सीधा असर सफाई व्यवस्था पर पड़ रहा है। हालांकि, इस संबंध में ठेकेदार का

चेयरमैन बोले- दोबारा होगी कार्रवाई-

मार्केट कमेटी के चेयरमैन गुरजीत सिंह गिल ने कहा कि उन्होंने पहले भी सचिव हरिंदर सिंह गिल को संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए थे। अब एक बार फिर ठेकेदार के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए कहा जाएगा, ताकि मंडी की सफाई व्यवस्था में सुधार लाया जा सके।

जैन मंदिर में हुई चोरी की गुत्थी सुलझी, दो गिरफ्तार

अशवनी पाहवा | लुधियाना
समर न्यूज

थाना पीएयू की पुलिस ने न्यू सूर्या विहार स्थित जैन मंदिर में हुई चोरी की गुत्थी सुलझाते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर चोरी किया गया चांदी का कीमती सामान भी बरामद कर लिया है। मामले में आगे की जांच जारी है।

पुलिस के अनुसार 13-14 जून 2026 की रात न्यू सूर्या विहार, पांच पीर रोड स्थित जैन मंदिर में चोरी की वारदात हुई थी। इस संबंध में 17 जून को पीएयू थाना में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(4) और 305 के तहत मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान तकनीकी सबूतों और गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने रोशन कुमार पुत्र तथा सुनील मंडल उर्फ मरिंडी, दोनों निवासी डेयरी कॉम्प्लेक्स, हम्बड़ा रोड, लुधियाना को गिरफ्तार किया। पुलिस पूछताछ में दोनों आरोपितों ने जैन मंदिर में चोरी की वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार कर ली। आरोपितों ने मंदिर से भगवान शांतिनाथ की चांदी की प्रतिमा, चांदी का मंगल कलश (चौकी), चांदी का सिद्ध चक्र, पूजा में इस्तेमाल होने वाली 20 चांदी की प्लेटें, 20 कटोरियां, चार बड़े कटोरे, मंदिर की गोलक से 10 से 15 हजार रुपये की नकदी तथा मंदिर में लगा डीवीआर चोरी करने की बात कबूल की।

पुलिस ने आरोपितों की निशानदेही पर भगवान शांतिनाथ की चांदी की प्रतिमा, चांदी का मंगल कलश (चौकी) और चांदी का सिद्ध चक्र बरामद कर लिया है। अन्य चोरी के सामान की बरामदगी के लिए दोनों आरोपितों से पूछताछ जारी है।

जगराओं ब्रिज पर अब नहीं बनेंगे गड्ढे!

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज

शहर की लाइफलाइन माने जाने वाले जगराओं ब्रिज पर बार-बार बनने वाले गड्ढों से जल्द राहत मिलने वाली है। नगर निगम ने ट्रैफिक लाइट्स के पास एलिवेटेड रोड के क्षतिग्रस्त हिस्से का कंक्रीट से पुनर्निर्माण शुरू कर दिया है।

सीनियर डिप्टी मेयर राकेश प्रशार ने मौके पर पहुंचकर चल रहे कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द काम पूरा करने के निर्देश दिए।राकेश प्रशार ने बताया कि इस स्थान पर पानी जमा होने के कारण सड़क बार-बार टूट जाती थी और गड्ढे बन जाते थे। इसी समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए अब इस हिस्से को कंक्रीट से बनाया जा रहा है, जिससे रोजाना गुजरने वाले हजारों वाहन चालकों को राहत मिलेगी।उन्होंने कहा कि जगराओं ब्रिज पर भारी ट्रैफिक रहता है, इसलिए पूरे रास्ते को एक साथ बंद नहीं किया जा सकता।

चौथी मंजिल से गिरा युवक, मौके पर मौत

परिजनों के बयान लिखता पुलिसकर्मी।

जगमीत सिंह | लुधियाना
समर न्यूज

बीती रात रामनगर इलाके में पार्टी के दौरान एक 28 वर्षीय युवक की चौथी मंजिल से गिरकर मौत हो गई। मृतक की पहचान गोविंदा के रूप में हुई है, जो मुंडियां इलाके स्थित रामनगर सरकारी फ्लैटों का रहने वाला था। देर रात फ्लैट में पार्टी चल रही थी। इसी दौरान नशे की हालत में गोविंदा चौथी मंजिल से नीचे गिर गया। गिरते ही उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही मुंडियां चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। बयान दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। फिलहाल मौत के सही कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही चल पाएगा।

आरटीओ के आदेश बेअसरः किसी भी नए वाहन को स्थायी पंजीकरण नंबर मिलने के बाद ही एजेंसी से बाहर निकाला जाना चाहिए

'एप्लाइड फॉर' पर दौड़ रहे नए वाहन, एजेंसियों पर कार्रवाई नहीं

राजवीर बक्शी | लुधियाना
समर न्यूज

क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद शहर में नई गाड़ियों को बिना स्थायी पंजीकरण नंबर के सड़कों पर उतारा जा रहा है। ऑटोमोबाइल एजेंसियां खुलेआम 'एप्लाइड फॉर' या अस्थायी नंबर के सहारे वाहन ग्राहकों को सौंप रही हैं।

कई वाहन एक-एक महीने तक बिना स्थायी नंबर के सड़कों पर दौड़ते रहते हैं, लेकिन न क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और न ही ट्रैफिक पुलिस की ओर से प्रभावी कार्रवाई होती दिखाई दे रही है। जानकारी के अनुसार, नियमों के मुताबिक किसी भी नए वाहन को स्थायी पंजीकरण नंबर मिलने के बाद ही एजेंसी से बाहर निकाला जाना चाहिए। इसके बावजूद शहर में रोजाना बड़ी संख्या में वाहन बिना स्थायी नंबर के सड़कों पर उतर रहे हैं। आम लोगों का सवाल है कि जब दस्तावेज अधूरे होने पर ट्रैफिक पुलिस वाहन जब्त तक कर लेती है, तो बिना नंबर चल रहे नए वाहनों और उन्हें सड़क पर उतारने वाली एजेंसियों पर कार्रवाई क्यों नहीं हो रही।

सूत्रों का कहना है कि क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) और ट्रैफिक पुलिस के बीच समन्वय की कमी का फायदा एजेंसी संचालक उठा रहे हैं। इसी वजह से नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अपेक्षित सख्ती देखने को नहीं मिल रही।

पहले भी जारी हो चुके हैं नोटिसः लगातार मिल रही शिकायतों के बाद कुछ महीने पहले क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) ने कई वाहन एजेंसियों को नोटिस जारी कर बिना स्थायी पंजीकरण नंबर के वाहन बाहर न निकालने की चेतावनी दी थी। इसके बावजूद अधिकांश एजेंसियों ने नियमों की अनदेखी जारी रखी और आज भी 'एप्लाइड फॉर' के नाम पर वाहन ग्राहकों को सौंपे जा रहे हैं।

स्टाफ की कमी से जूझ रहा कार्यालयः दूसरी ओर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) लंबे समय से कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है। नई भर्ती नहीं होने के कारण सीमित स्टाफ पर अतिरिक्त कार्यभार है। कई कर्मचारी न्यायालय से जुड़े मामलों में व्यस्त रहते हैं, जिसके चलते कई कमरों पर ताले लगे रहते हैं। कई बार कार्यालय के बाहर यह सूचना भी लगी होती है कि संबंधित कर्मचारी न्यायालय के कार्य से बाहर हैं। इसका खामियाजा आम लोगों को भी भुगतना पड़ रहा है।

एक लाख की एक्सेसरी खरीदने वालों को तुरंत वाहन देने का आरोपः आजाद टैक्सी यूनियन के पंजाब प्रधान शरणजीत कलसी ने परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को लिखित शिकायत देकर आरोप लगाया है कि कुछ एजेंसियां करीब एक लाख रुपये तक की एक्सेसरी खरीदने वाले ग्राहकों को बिना किसी इंतजार के 'एप्लाइड फॉर' के आधार पर वाहन दे देती हैं, जबकि एक्सेसरी नहीं लेने वाले ग्राहकों को वेटिंग या वाहन उपलब्ध न होने का हवाला देकर टाल दिया जाता है।

इस मामले में उच्च अधिकारियों ने क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय-(आरटीओ) लुधियाना को जांच कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे, लेकिन कई दिन बीतने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई सामने नहीं आई।

कमर्शियल वाहनों पर सख्ती, एजेंसियों पर नरमीः क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) विभाग अब तक करीब 150 कमर्शियल वाहनों के चालान कर चुका है और समय-समय पर विशेष अभियान भी चलाए जाते हैं। हालांकि बिना नंबर वाहन सड़क पर उतारने वाली एजेंसियों की नियमित जांच और उनके खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से नियमों की अनदेखी लगातार जारी है।

क्या बोले आरटीओः आरटीओ मनकवल सिंह ने कहा, वाहन एजेंसियों को पहले ही नोटिस जारी किए जा चुके हैं। यदि इसके बावजूद कोई एजेंसी बिना स्थायी पंजीकरण नंबर के वाहन बाहर निकालती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार जुर्माना और कार्रवाई की जाएगी।

ब्रीफ न्यूज

बीएलए-2 और बीएलओ का करें सहयोग, मतदान के अधिकार से कोई न रहे वंचितः मदन लाल बग्गा

समर न्यूज | लक्की मेहता | लुधियाना : नॉर्थ हल्के के विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान के दौरान बीएलए-2 और बीएलओ का पूरा सहयोग करें। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य अधिक से अधिक पात्र लोगों के वोट बनाना और मतदाता सूची को अद्यतन करना है, ताकि कोई भी व्यक्ति अपने मतदान के अधिकार से वंचित न रहे। विधायक बग्गा ने कहा कि यह विशेष पुनरीक्षण अभियान चल रहा है, इसलिए सभी नागरिक समय पर अपने दस्तावेज उपलब्ध कराकर अपने वोट की पुष्टि कराएं और जरूरत होने पर नया वोट भी बनवाएं।

एनकाउंटर की आशंका जताने वाला युवक निकला शातिर चोर, लाखों रुपये की सोना चोरी में था वांछित

समर न्यूज | अश्वनी पाहवा | लुधियाना : खन्ना के बुलेपुर गांव में मंगलवार की सुबह छत पर चढ़कर अपने एनकाउंटर की आशंका जताने वाला युवक आखिरकार पुलिस जांच में शातिर अपराधी निकला। पुलिस ने उसे लाखों रुपये की सोना चोरी के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और अपनी पहचान छिपाने के लिए विदेशी नंबर का इस्तेमाल कर रहा था। पुलिस उसे बुधवार को अदालत में पेश कर रिमांड हासिल करेगी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान बुलेपुर निवासी दिलदीप सिंह उर्फ दीपी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार वह खन्ना और आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय सब्बल गैंग का सदस्य है। जनवरी 2026 में सिटी थाना-2 में दर्ज लाखों रुपये के सोना चोरी मामले में गैंग के आठ सदस्यों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। अन्य आरोपियों पर कार्रवाई के बाद भी दीपी पुलिस की गिरफ्त से बाहर था।

पार्किंग विवादः फायरिंग मामले में 18 दिन बाद 6 पर केस

समर न्यूज | अशवनी पाहवा | लुधियाना : मॉडल टाउन थाना क्षेत्र के डॉ. अंबेडकर नगर में पार्किंग विवाद को लेकर हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने 18 दिन बाद कार्रवाई करते हुए छह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इनमें आम आदमी पार्टी नेता आरके बोनी, उनके परिवार के सदस्य और अन्य लोग शामिल हैं। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार घटना 19 जून की है, जबकि मामले में एफआईआर 7 जुलाई को दर्ज की गई। बताया जा रहा है कि घटना का नया वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। इस मामले में बीएनएस की धाराएं 115(2), 126(2), 190, 191(3) और 351(2) के अलावा आर्म्स एक्ट की धाराएं 25, 27, 54 और 59 लगाई गई हैं।

एसआईआर ड्यूटी के चलते नगर निगम की पब्लिक डीलिंग ठप, प्रॉपर्टी टैक्स से लेकर एनओसी तक के काम अटके

समर न्यूज | लक्की मेहता | लुधियाना : पंजाब में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) अभियान के लिए नगर निगम के कर्मचारियों की ड्यूटियां लगाए जाने का असर अब निगम के दफ्तरों में साफ नजर आने लगा है। पब्लिक डीलिंग सीटों पर कर्मचारी नहीं होने से रोजमर्रा के काम करवाने आने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, प्रॉपर्टी टैक्स समेत अन्य सेवाएं प्रभावित होने से नगर निगम के राजस्व पर भी असर पड़ रहा है। माता रानी चौक स्थित नगर निगम के जोन-ए कार्यालय में प्रॉपर्टी टैक्स विंडो बंद रही। प्रॉपर्टी टैक्स शाखा के कमरे में अंधेरा था और बाहर लगी विंडो भी बंद मिली। काम करवाने पहुंचे लोग काफी देर तक इंतजार करने के बाद बिना काम कराए ही लौट गए। कई लोग अपनी समस्या लेकर सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर के पास पहुंचे। उन्होंने लोगों को बताया कि इस समय निगम के अधिकांश कर्मचारियों की ड्यूटी एसआईआर अभियान में लगी हुई है। इसी कारण 24 जुलाई तक कर्मचारी फील्ड में व्यस्त रहेंगे और दफ्तरों में नियमित कामकाज प्रभावित रहेगा। इसके बाद ही लंबित कार्य सामान्य रूप से शुरू हो सकेंगे। एसआईआर ड्यूटी के कारण प्रॉपर्टी टैक्स जमा कराने, एनओसी जारी करने और अन्य पब्लिक डीलिंग से जुड़े कार्य लगभग ठप पड़े हैं।

पहचान | **9 साल की उम्र में देखा जनसेवा का जज़्बा, आज कानून और समाजसेवा के बीच बना रहे अलग पहचान**

नाम ही नहीं, लुधियाना शहर का भी बढ़ा रहे हैं 'गौरव'

लक्की मेहता | लुधियाना
समर न्यूज

महज 38 वर्ष की उम्र में एडवोकेट गौरव बग्गा खुराना कानून और जनसेवा के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। वर्षों तक अधिवक्ता के रूप में लोगों को कानूनी सहायता देने के बाद अब वे कॉर्पोरेशन के लीगल एडवाइजर के रूप में अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं।

बचपन से परिवार में मिले जनसेवा के संस्कार, सामाजिक सरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता व लोगों के बीच सक्रियता ने उन्हें शहर के उभरते युवा चेहरों में शामिल कर दिया है।

9 साल की उम्र में मिला जनसेवा का संस्कारः गौरव बताते हैं कि जब वे नौ वर्ष के थे, तब उनके पिता चौधरी मदन लाल बग्गा पार्षद थे। घर और कार्यालय में रोजाना लोगों को अपनी समस्याएं लेकर आते और उनके पिता को उनका समाधान करते देख उनके मन में भी समाजसेवा का भाव जागा। पिता की सीख "सेवा ही सबसे बड़ा कर्म और धर्म है" आज भी उनके जीवन का मूल मंत्र है।

आईएएस-पीसीएस की तैयारी के बाद चुनी वकालत

वर्ष 2011 से 2014 तक उन्होंने आईएएस और पीसीएस की तैयारी की। इसके बाद कानून के क्षेत्र को अपना लक्ष्य बनाया। वर्ष 2017 में एलएलबी पूरी करने के बाद करीब आठ से दस वर्षों तक अधिवक्ता के रूप में कोर्ट में प्रैक्टिस की। इस दौरान उन्होंने अनेक लोगों को कानूनी सलाह देने और न्याय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

2023 में मिली अहम जिम्मेदारी- वर्ष 2023 में उन्हें कॉर्पोरेशन का लीगल एडवाइजर नियुक्त किया गया। संस्था से जुड़े कानूनी मामलों में सलाह देना, नियमों के अनुरूप कार्य सुनिश्चित करना और आवश्यक कानूनी प्रक्रियाओं का मार्गदर्शन करना उनकी प्रमुख जिम्मेदारियों में शामिल हैं।

एक नजर में परिचय

नाम : एडवोकेट गौरव बग्गा खुराना
उम्र : 38 वर्ष
पेशा : अधिवक्ता एवं कॉर्पोरेशन के लीगल एडवाइजर
पहचान : कानून, जनसेवा और समाजसेवा में सक्रिय युवा चेहरा
सामाजिक योगदान : विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के माध्यम से जरूरतमंदों की सहायता और जनहित कार्यों में सक्रिय भागीदारी।

समाजसेवा को मानते हैं सबसे बड़ी जिम्मेदारी

वे कई सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं और समय-समय पर जरूरतमंद परिवारों की सहायता, सामाजिक कार्यक्रमों, रक्तदान शिविरों तथा अन्य जनहित कार्यों में सक्रिय रहते हैं। उनका मानना है कि किसी भी पेशे की वास्तविक सफलता तभी है, जब उससे समाज को भी लाभ मिले।

जनसमस्याओं के समाधान में निभा रहे सक्रिय भूमिका

गौरव अपने पिता विधायक चौधरी मदन लाल बग्गा और पार्षद अमन बग्गा खुराना के साथ नियमित रूप से क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनते हैं और उनके समाधान के लिए प्रयास करते हैं। उनका मानना है कि जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को समझना और समाधान के लिए काम करना ही जनसेवा का वास्तविक उद्देश्य है।

क्या कहते हैं गौरव बग्गा खुराना

मेहनत, ईमानदारी और अनुशासन के साथ आगे बढ़िए। अपने करियर के साथ समाज के लिए भी समय निकालिए, क्योंकि असली पहचान वही है, जो दूसरों के काम आए।

ग्रुप एडिटरः अर्शदीप सिंह। एग्जीक्यूटिव एडिटर : नितिन उपमन्यु। मुद्रक, प्रकाशक, इंप्रेशन प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट- 22, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला। *समाचार चयन के लिए PRP एक्ट के तहत जिम्मेदार। सभी विवादों का न्यायाधिकार क्षेत्र लुधियाना होगा। RNI No. CHMUL/25/A1155